/font>

Title: Closure of cooperative Banks in Bihar.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सभापति जी, मैं बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Suresh Ramrao Jadhav, I will call your name also. Please have patience.

...(*Interruptions*)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदय, इस बात को संपूर्ण देश, संपूर्ण सदन और सरकार जानती है कि आजादी के बाद, जब से सरकार बनी है, तब से सहकारिता को देश में काफी मजबूत तरीके से बढ़ाने की कोशिश की गई है, लेकिन बिहार एक ऐसा राज्य है जहां सहकारिता बैंक, सब के सब, करीब-करीब बन्द हो गए हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : सभापति जी, कोई सहकारिता बैंक बन्द नहीं हुआ है। सब के सब चल रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : महोदया, मैं आपको अभी बता रहा हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR CHAIRMAN: Pappuji, please be brief.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सभापति महोदय, मेरे पास इस बारे में भारतीय रिजर्व बैंक का लैटर है। मैं आपकी जानकारी के लिए बताता हूं कि सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, छपरा और दरभंगा के सहकारिता बैंक बन्द हो गए हैं। मेरे पास यह लैटर हैं। स्थिति यह है कि भारत सरकार ने जो लोन माफ करने की बात कही थी, सरकार की जो किसानों का ऋण माफ करने की योजना थी, वह लोन अभी तक भारत सरकार की ओर से नहीं जा पाया है, और उसके पहले भारत सरकार ने जो बिहार के कृाि ऋण माफ किए थे, उसमें कई करोड़ दिए गए, सिर्फ सुपोल सहकारिता बैंक के अभी 72 लाख से ज्यादा बकाया हैं। इस प्रकार अन्य बैंक कै बाकी रुपए बिहार सरकार द्वारा नहीं देने के कारण आज पूरे के पूरे सहकारिता बैंक घाटे में चले गए हैं।

स्थिति यह हुई कि किसानों को जो लोन मिला, यदि किसानों के एन.पी.ए. को खत्म कर दिया जाये तो सहकारिता बैंक बेलैंस में डिपोजिट हो जायेगा। इसीलिए मैं आपको जानकारी देना चाहता हूं कि नाबार्ड को भी जो पैसा देना चाहिए था, वह पांच प्रतिशत भी नहीं दिया। उसकी जानकारी मैं एक मिनट में देना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN : This is 'Zero Hour'. I have given a chance to you. You may be brief and conclude.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will call all the hon. Members. Please have patience and wait for some time. I am calling the hon. Members according to the list available here.

...(*Interruptions*)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : एक मिनट में मैं जानकारी देकर अपनी बात खत्म कर देता हूं। मैं आपसे सिर्फ एक आग्रह करना चाहता हूं कि एन.पी.ए. जो बैंक का है, उसे केन्द्र माफ करे। बिहार सरकार हर मामले को समाप्त करना चाहती है। जो किसानों की सबसे बड़ी चीज है, किसानों को इसी बैंक से सारा लोन मिलता है, छोटे-छोटे किसानों एवं व्यवसायियों को लोन मिलता है, यदि यह बैंक भी समाप्त हो गया तो आप समझ सकते हैं, क्या हालत होगी। अभी आपने ही रोजगार के लिए चर्चा की, जब यह सहकारिता बैंक समाप्त हो जायेगा तो रोजगार कहां से मिलेगा। किसान इससे बर्बाद हो रहे हैं, किसानों को जबरदस्ती हथकड़ी लगाई जा रही है। मैं आग्रह करूंगा कि केन्द्र इस मामले में हस्तक्षेप करे। शायद प्रभुनाथ भाई भी इस बारे में बोलना चाह रहे हैं।

केन्द्र को जो लोन देना था, जो इस सदन से पास हुआ था, क्या कारण है कि वह ऋण अभी तक बिहार को नहीं दिया? क्या कारण है कि बिहार सरकार इस ओर चिन्तित नहीं है? मैं यह बताना चाहता हूं, मैं इससे ज्यादा नहीं कहना चाहता कि बिहार का बैंक बन्द नहीं हो, यह मेरा आग्रह है ताकि किसान सुरक्षित रह सकें। सम्पूर्ण बिहार के 80 से 90 फीसदी किसान सुरक्षित रहें। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shri Prabhunath Singh, I have called you. You may start making your submission. There are another 10-12 hon. Members who want to raise important issues. So, you may please be brief.

श्री प्रभुनाथ सिंह : सभापति महोदय, राजेश रंजन जी ने जो सवाल उठाया है, उसी सवाल पर हम भी आपके समक्ष बहुत कम समय में अपनी बात कहना चाहते हैं।

बिहार में जो सहकारी बैंक है, रिजर्व बैंक द्वारा कई बैंकों के लाइसेंस रद्द कर दिये गये हैं, जैसे छपरा सहकारी बैंक। उसमें कारण यह बताया है कि जो पूर्व में लाइसेंस था, वह सिवान छपरा सहकारी बैंक करके था, लेकिन बीच के दिनों में वे दो बैंक हो गये तो सिवान बैंक यथावत चल रहा है और छपरा बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है, जबकि 20 वर्ों से वहां के किसान उसमें अपना पैसा जमा करते हैं और वहां के किसानों को सहकारिता बैंक ऋण भी देने का काम करता रहा है। कई बैंक इस सहकारिता बैंक से जुड़े हुए हैं, एक-एक जिले में उनकी कई शाखाएं हैं। एक-एक जिले में करीब 100 से 150 कर्मचारी हैं। लाइसेंस सिर्फ छपरा का रद्द नहीं किया गया है, सुपौल का भी रद्द किया गया है। लाइसेंस रद्द करने से उसमें तीन जिले कट जाते हैं, सुपौल के साथ मधेपुरा और सहरसा। वैसी स्थिति में बिहार की स्थिति इस तरह नाजुक बनती जा रही है। किसानों ने बहुत परिश्रम करके कुछ बैंकों की शाखाओं में अपना रुपया जमा किया हुआ था, लगन के दिनों में अपने बेटे और बेटी की शादी करने के लिएâ€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Prabhunath Singh, this is not a debate. Other hon. Members are very anxious to raise their issues. If you want to take more time, you may raise it in some other form.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will call everybody.

श्री प्रभुनाथ सिंह : आप सुन तो लीजिए। हम तो दो मिनट में अपनी बात समाप्त करते हैं। हम आपसे सिर्फ यही निवेदन करना चाहते हैं कि वित्त मंत्रालय को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। इन लोगों ने लाइसेंस के रिन्युअल के लिए आवेदन दिया है, लाइसेंस के रिन्युअल के कारण बैंक की शाखाएं बन्द हैं। किसान त्राहिमाम कर रहे हैं, इसलिए फाइनेंस मिनिस्ट्री को इसमें हस्तक्षेप करते हुए तमाम बैंकों को पुनः चालू करने के लिए उनकी अनुवर्ती का रिन्युअल करना चाहिए।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri Suresh Jadhav, you should not take more than one minute.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will call everybody. Next chance will be given to two lady hon. Members − Shrimati Margaret Alva and Prof. Premajam.